अध्याय–3

शोध प्रविधि प्रक्रिया

अध्याय -3

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1. भूमिका :-

अनुसंधान कार्य को सही दिशा की ओर अग्रसर होने के हेतु से यह आवश्यक होता है कि, शोध की व्यवस्थित रूपरेखा तैयार की जाये क्योंकि, यह रूपरेखा ही शोध को एक निश्चित दिशा व स्पष्ट आकार प्रदान करती है। इसमें प्रतिदर्श चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है, जो समस्त शोधकार्य की आधारशिला होती है। इसके बाद उपकरणों एवं तकनीक का चयन भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि, इसी आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है, तत्पश्चात् ही एक उपयुक्त सांख्यिकीय विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर निष्कर्ष निकाला जाता हैं। तब कहीं जाकर एक शोध रूपी भवन खड़ा हो पाता है, जो वैज्ञानिक कहा जाये।

3.2. शोध डिजाइन :-

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तक में मूल्य शिक्षा के विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना है। अतः इस शोधकार्य हेतु निरीक्षण एवं अवलोकन प्रणाली का चयन एन.सी.एफ. 2005 में निहित मूल्यों व मूल्य आधारित सुझावों के आधार पर गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर द्वारा प्रस्तावित प्रारंभिक स्तर की कक्षा 5, 6, व 7वीं की पाठ्यपुस्तकों में समाविष्ट मूल्यों का अध्ययन करने के लिए किया गया है।

3.3. न्यादर्श :-

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ता द्वारा न्यादर्श का चयन गुजरात राज्य के प्रारंभिक स्तर की कक्षा 5, 6 एवं 7वीं की पाठ्यपुस्तकों, जो गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर द्वारा प्रस्तावित हैं; उसको सोद्देश्य विधि से लिया गया है और आठ प्राथमिक स्तर की विद्यालयों का चयन विद्यार्थियों

में वर्तन संबंधी मूल्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए किया है। गुजरात राज्य के 26 जिलों मे सें अमरेली जिला व अमरेली जिले के 11 तहसील में से तीन तहसील जाफराबाद, राजुला व सावर कुंडला का चयन यादृच्छिक प्रविधि द्वारा किया गया। राजुला तहसील से 1 तथा जाफराबाद तहसील में से 6 तथा सावर कुंडला में से 1 प्राथमिक विद्यालय का यादृच्छिक प्रविधि द्वारा चयन किया गया। उन चयनित विद्यालय में अध्ययनरत प्रारंभिक स्तर की कक्षा 5, 6 व 7वीं के विद्यार्थियों का अलिप्त सहभागी निरीक्षण प्रणाली से किया गया है। जिसका विवरण निम्न सारणियों में दिया गया है :

(1) प्रारंभिक स्तर की कक्षा का विषयवार पाठ्यपुस्तकों का चयन संबंधित विवरण :

क्र.	विषय	कक्षा–5वीं	कक्षा–6वीं	कक्षा–7वीं
1	गुजराती	गुजराती	गुजराती	गुजराती
2	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी
3	संस्कृत	–	संस्कृत	संस्कृत
4	विज्ञान और टेक्नोलोजी	विज्ञान	विज्ञान और टेक्नोलोजी	विज्ञान और टेक्नोलोजी
5	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
6	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षण	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षण	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षण	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षण
7	इंग्लिश	इंग्लिश	इंग्लिश	इंग्लिश
8	गणित	गणित	गणित	गणित
योग	8	7	8	8

(2) जाफराबाद, राजुला व सावर कुंडला तहसील के चयनित प्रारंभिक स्तर की विद्यालय की कक्षा के विद्यार्थियों का योग विवरण :

क्र.	विद्यालय का नाम	कक्षा अनुसार विद्यार्थियों की संख्या			
		5वीं	6वीं	7वीं	योग
1	श्री वांढ प्राथमिक शाला–वांढ	48	45	39	132
2	श्री मितियाला प्राथमिक शाला–मितियाला	46	43	41	130
3	श्री वाराहस्वरूप प्राथमिक शाला–वाराहस्वरूप	29	26	20	75
4	श्री प्र.पु.प्रे. डांडिया मिडल स्कूल–जाफराबाद	48	46	42	136
5	श्री तालुका पे–सेन्टर शाला–जाफराबाद	55	53	52	160
6	श्री बगोया प्राथमिक शाला–बगोया	36	34	31	101
7	श्री वढेरा प्राथमिक शाला –वढेरा	49	47	44	140
8	श्री संस्कृति विद्यालय– राजुला	35	34	31	100
योग		346	328	300	974

(3) N.C.F.2005 में (गु.रा.शा.पा.पु.मं., गांधीनगर द्वारा प्रस्तावित प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का N.C.F. 2005 के संदर्भ में) सम्मिलित मूल्यों का विवरण :

क्रम	N.C.F. 2005 में सम्मिलित मूल्य
1.	सामाजिक न्याय और समानता
2.	वैचारिक स्वातंत्र्य
3	सम्मान की भावना
4	वसुधैवकुटुम्बकम् की भावना
5	सांस्कृतिक
6	लोकतंत्र
7	धर्मनिरपेक्षता
8	स्त्री–पुरूष के बीच समानता
9	पर्यावरण संरक्षण
10	सामाजिक समता
11	परिवार महत्व
12	वैज्ञानिक दृष्टिकोण

☆ गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर

3.4. उपकरण का निर्माण व विवरण :-

शोधकार्य को करते समय वैज्ञानिक विधि से नवीन प्रदत्तों को संकलित करने हेतु कुछ मानकीकृत उपकरणों की आवश्यकता पडती हैं। सफल अनुसंधान के लिए उपयुक्त उपकरणों का चयन बहुत महत्वपूर्ण हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने उपयुक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए प्रदत्त संकलन के लिए स्वनिर्मित निरीक्षण सूची की रचना की, जिसको N.C.E.R.T. द्वारा प्रस्तावित तिराशी मूल्यों में से वर्तन विषयक मूल्यों व N.C.F. 2005 के अध्याय 3.8 में शांति व मूल्य के लिए शिक्षा एवं डॉ. नत्थुलाल गुप्त 'अग्रहरि' के 'मूल्यपरक शिक्षा और समाज' (सिद्धांत, प्रयोग एवं प्रविधि) ग्रंथ के आधार से किया गया है। तत्पश्चात् विषय विशेषज्ञों के साथ बैठकर निरीक्षण सूची के विषय में चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा दिये गए आवश्यक सुझावों को ध्यान में रखते हुए निरीक्षण सूची का निर्माण किया गया है।

3.4.1. निरीक्षण सूची :-

चयनित प्रारंभिक स्तर की कक्षा 5, 6, व 7वीं के विद्यार्थियों का वर्तन संबंधी मूल्यों की जानकारी प्राप्त करने हेतु विद्यालयीन दिनचर्या के आधार पर शोधकर्ता द्वारा निम्नलिखित 10 शालेय दिनचर्याओं को समाविष्ट किया गया हैं, जिसका विवरण इस प्रकार हैं :

क्रम	विद्यालयीन दिनचर्या का विवरण	संबंधित प्रश्न संख्या	%
1	शाला खुलने के समय	4	5.63
2	सफाई कार्य दरमियान	7	9.86
3	प्रार्थना–सभा में	10	14.08
4	कक्षा में	10	14.08
5	छुट्टी के समय (मध्य छुट्टी)	7	9.86
6	खेल–कूद के समय	10	14.08
7	खाना खाने की छुट्टी या मध्याह्न भोजन के समय	8	12.26
8	ग्रंथागार में	4	5.63
9	शिक्षक, प्राचार्य व बड़ों से वार्तालाप के समय	5	7.04
10	पूरी छुट्टी की घंटी बजने के समय	6	8.45
योग		71	100.97%

उपयुक्त 10 विद्यालयीन दिनचर्या में 71 प्रश्नों को लिया गया हैं, जो N.C.F. 2005 में प्रस्तावित मूल्यों से संबंधित हैं। इस निरीक्षण सूची द्वारा शोधकर्ता का अध्ययन के अनुसार आशय विद्यार्थियों की वर्तन संबंधित मूल्यों की जानकारी प्राप्त करना है। जो शोधकर्ता द्वारा विद्यालय के प्राचार्य की अनुमति के बाद विद्यार्थियों को पता न हो और अध्ययन का आशय भी पूर्ण हो इस तरह से विद्यालय खुलने के समय से विद्यालय का शिक्षण कार्य समय समाप्त होने तक किया गया हैं।

3.5. निरीक्षण का प्रशासन :-

शोधकर्ता द्वारा निर्मित निरीक्षण सूची का प्रत्यक्ष क्षेत्र पर निरीक्षण एवं प्रशासन निम्न प्रकार से किया गया है :

- ❖ शोधकर्ता द्वारा निर्मित निरीक्षण सूची से विद्यार्थियों का वर्तन संबंधित मूल्यों का अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार विद्यार्थियों के वर्तन संबंधित मूल्यों का निरीक्षण विद्यालयीन निदचर्या के अन्तर्गत विद्यालय खुलने से शिक्षण कार्य पूर्ण हो तब तक किया गया है।
- ❖ शोधकर्ता द्वारा निरीक्षण सूची में प्रश्नों के उत्तर में 'हाँ' अथवा 'नहीं' में ☑ चिह्न लगाया गया हैं।

❖ शोधकर्ता को निरीक्षण सूची का उपयोग संबंधित दिनचर्या का विद्यार्थियों की वर्तन संबंधित जानकारी प्राप्त करने के संदर्भ में निरीक्षण करते समय साथ में रखना आवयश्क नहीं था, बल्कि निरीक्षण के बाद संबंधित प्रश्न के सामने ☑ चिह्न लगाना था ताकि, उसकी जानकारी विद्यार्थियों को न हो।

इस प्रकार प्रस्तुत निरीक्षण सूची का प्रशासन किया गया।

3.6. प्रदत्तों का संकलन :-

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों का संकलन किया गया हैं। इस कार्य के लिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा एक निश्चित समय सीमा निर्धारित की गई।

प्रदत्त संकलन के लिए प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य को अनुमति पत्र देने के बाद अनुमति मिलने पर विद्यालय के पूर्ण समय में निदचर्या के अंतर्गत विद्यार्थियों के वर्तन संबंधित मूल्यों का निरीक्षण निरीक्षण सूची के संदर्भ में कैसे किया जाये- यह वार्तालाप होने के बाद दूसरे दिन से निर्धारित दिनों में प्राथमिक स्तर की कक्षा 5, 6 एवं 7वीं के विद्यार्थियों का निरीक्षण वर्तन संबंधित मूल्यों के आधार पर किया गया है। जिसमें विद्यालय के खुलने का घंटा बजने से विद्यालय में शिक्षण कार्य पूर्ण होने पर घंटा बजने तक विद्यार्थियों को बिना कोई सूचना देते हुए निरीक्षण किया गया।

3.7. प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त विधि :-

शोध समस्या से सम्बन्धित प्रदत्तों को निरीक्षण प्रविधि द्वारा संकलन करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने हेतु प्रतिशत प्रणाली का प्रयोग किया गया है।

शोधकार्य में शोध प्रविधि के अनुसार प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण अध्ययन के अनुसार शोधकर्ता द्वारा किया जाना आवश्यक है तब जाके शोधकार्य एक पूर्ण रूप में सामने आता है। अतः अध्याय चतुर्थ में प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया है।